101. आदिकाल का सीमांकन आचार्य शुक्ल के अनुसार- 993 ईस्वी से राजा मुंज और भोज के समय से लेकर राजा हम्मीर देव के पीछे तक।

102. आदिकाल की अंतिम सीमा ग्रियर्सन के अनुसार -1400ई.

103. आदिकाल की अंतिम सीमा मिश्र बंधुओं के अनुसार - 1387 ई.

104. आदिकाल की अंतिम सीमा शुक्ल के अनुसार - 1318 ई.

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

105. आदिकाल की अंतिम सीमा रमाशंकर शुक्ल रसाल के अनुसार - 1343 ई.

106. आदिकाल को वीरगाथा युग किसने कहा- श्यामसुंदर दास ने

107. आदिकाल को उन्मेष काल कहने वाले हैं~ गणपतिचंद्र गुप्त

108. आदिकाल को अपभ्रंश काल कहने वाले हैं ~ धीरेंद्र वर्मा

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

109. राधा कृष्ण के प्रेम का अनूठा वर्णन किस ग्रंथ में है ~पदावली (विद्यापति)

110. बीसलदेव रासो की नायिका है~ राजमती

111. चर्यापद के रचयिता~ शबरपा है (यह अनुष्ठानों में गाया जाता है, संधा भाषा में है, दृष्ट कूट में लिखा गया, इन के दोहरे अर्थ होते हैं।)

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

112. "उनकी रचनाओं का जीवन की स्वाभाविक सारणियों, अनुभूतियों और दशाओं से कोई संबंध नहीं है, वे सांप्रदायिक शिक्षा मात्र हैं। अतः शुद्ध साहित्य की कोटि में नहीं आ सकती हैं।" कथन किसका है ~ आचार्य रामचंद्र शुक्ल का।

113. कुमारपाल प्रतिरोध किसकी रचना है -सोम प्रभु सूरी की

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

114. हिंदी का पहला धर्मेतर रास ग्रंथ या देसी भाषा में किसी मुसलमान द्वारा लिखित प्रथम काव्य ग्रंथ ~संदेश रासक खण्डकाव्य(अब्दुल रहमान)

115. विद्यापति की पदावली मैथिली हिंदी में रचित होने पर भी किस भाषा से प्रभावित है ~बंगला

116. विद्यापति का संप्रदाय ~शैव संप्रदाय

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

117. विद्यापति को श्रृंगार रस का सिद्ध वाक् कवि कहा~ हजारी प्रसाद द्विवेदी ने

118. डॉ0 बच्चन सिंह ने विद्यापति को कहा ~ जातीय कवि

119. विद्यापति कि वह रचना जो भृंग भृंगी संवाद के रूप में हुई है~ कीर्ति लता।

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

120. हिंदी के आरंभिक रूप को अवहट्ठ कहने वाले हैं ~डॉ भोला शंकर व्यास

121. "इस प्रकार 10वीं से 14वीं शताब्दी काल जिसे हिंदी का आदिकाल कहते हैं, भाषा की दृष्टि से अपभ्रंश का ही बढ़ाव है।" कथन किसने कहा~ हजारी प्रसाद द्विवेदी ने

122. उत्तर अपभ्रंश को कहते हैं ~आरंभिक हिंदी

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

123. आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी ने पुरानी हिंदी को क्या कहा है~

प्राकृतभाष हिंदी या अपभ्रंश।

124. 'भल्ला हुआ जु मारिया बहिणि हमारा कंतु ।

लज्जेजं तु वयंसिअहु जईभग्या घरु एंतु।' ये प्रसिद्ध पंक्तियाँ हैं~ हेमचन्द्र की

125. गुजरात के सोलंकी राजा सिद्धराज जयसिंह और उनके भतीजे

कुमारपाल के दरबार में रहने वाले कवि हैं~ हेमचंद्र (प्राकृत का पाणिनि)

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

126. वह कवि जिसने दिल्ली के सिंहासन पर 11 राजाओं का आरोहण देखा ~ अमीर खुसरो (निजामुद्दीन औलिया के शिष्य, खड़ी बोली हिंदी के आदिकवि, जिनके ग्रंथों की संख्या लगभग 100

127. अमीर खुसरो को डॉ0 ईश्वरी प्रसाद ने कहा ~महाकवि या कवियों में राजकुमार।

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

128. विद्यापति को कृष्ण भक्तों की परंपरा में न समझना चाहिए~ कथन है~ रामचंद्र शुक्ल का

129. "आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकल बहुत सस्ते हो गए हैं, उन्हें चढ़ाकर जैसे कुछ लोगों ने गीतगोविंद को आध्यात्मिक संकेत बताया है, वैसे ही विद्यापति के पदों को भी।" कथन किसका है ~आचार्य शुक्ल का

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

130. विद्यापति की पदावली के श्रृंगारिक पदों की मादकता को नागिन की लहर कहने वाले कवि हैं ~ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

131. विद्यापति को पंचदेवोपासक स्वीकार करने वाले हैं~ महामहोपाध्याय हरप्रसाद शास्त्री।

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

132. सिद्ध सामंत युग की कविताओं की सृष्टि आकाश में नहीं हुई वह हमारे देश की ठोस धरती की उपज है कथन किसका है~ राहुल सांकृत्यायन का

133. "जिस साहित्य में केवल धार्मिक उपदेश हो, उससे वह साहित्य निश्चित रूप से भिन्न है, जिसमें धर्म भावना प्रेरक शक्ति के रूप में काम कर रही

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

हो..... धार्मिक साहित्य होने मात्र से कोई रचना साहित्यिक कोटि से अलग नहीं की जा सकती।" कथन है~ हजारी प्रसाद द्विवेदी

134. "सिद्ध और योगियों की रचनाएं साहित्य की कोटि में नहीं आती और योग धारा काव्य साहित्य की कोई धारा नहीं मानी जा सकती।" कथन है~आचार्य शुक्ल।

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

135. इस ग्रंथ में श्रृंगार की ही प्रधानता है, वीर रस का किंचित आभास मात्र है~ रामचंद्र शुक्ल का कथन किस ग्रंथ के लिए है ~बीसलदेव रासो

136. डॉ दशरथ शर्मा आदि कुछ विद्वान पृथ्वीराज रासो के किस संस्करण को मूल रासो ग्रंथ मानते हैं~ सबसे छोटा संस्करण 1300 [प्रथम वृहत्तम संस्करण में 16306 छंद मध्य संस्करण में 7000 छंद है]

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

137. बीसलदेव रासो के संपादनकर्त्ता ~माता प्रसाद गुप्त एवं अगरचंद नाहटा

138. विद्यापति की उपाधियां ~ अभिनव जयदेव {राजा शिव सिंह द्वारा} कवि शेखर, खेलन कवि, वय:संधि के कवि, कवि कंठहार, दशावधान।

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

139. अपभ्रंश के कवियों का विस्मरण करना हमारे लिए हानि की वस्तु है, यही कवि हिंदी काव्य धारा के प्रथम द्दष्टा थे। कथन है~ राहुल सांकृत्यायन का

140. "इस पुस्तक की भाषा के कवि ने स्वयं अवहट्ठ कहा था, इसमें बीच-बीच में मैथिली भाषा के प्रयोग आ गए हैं, भाषा के अध्ययन की द्दष्टि से

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

पुस्तक का महत्व है।" हजारी प्रसाद द्विवेदी का कथन किस पुस्तक के संदर्भ में है - कीर्तिलता

141. साधारण: सन ईस्वी की दसवीं से लेकर चौदहवीं शताब्दी के काल को हिंदी साहित्य का आदिकाल कहा जाता है- कथन है ~हजारी प्रसाद द्विवेदी का

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

142. चौपाई दोहे का सबसे पुराना प्रयोग शायद यही है, जो कुछ पुराना साहित्य उपलब्ध है उससे लगता है कि पूर्वी प्रदेश के बौद्ध सिद्धों ने इस शैली में लिखना शुरू किया था, सरहपा विषयक कथन है~ हजारी प्रसाद द्विवेदी का

143. रत्नाकर जोपम कथा का सम्बंध है~ वज्रयानी सिद्धों की शाखा से

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

144. जे हाले मिस्की मकुन तगाफुल दुराय नैना बनाय बतियाँ~ अमीर खुसरो

145. निर्भय भीम व्यायोग- के लेखक हैं- रामचंद्र सूरी (जैन आचार्य थे गुरु का नाम हेमचंद्र)

146. हिंदवी शब्द का प्रथम प्रयोग किस इतिहासकार ने किया~ अबू सईद

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

147. कलचुरी राजवंश की 7 नायिकाओं के नख शिख वर्णन से संबंधित ग्रंथ है~ राऊरबेल (मुंबई के प्रिंस ऑफ वेल्स संग्रहालय में सुरक्षित)

148. "कामभाव और शरीर का सौंदर्य उनके यहां उत्सव रूप में है।" विद्यापति के संदर्भ में कहा~ रामस्वरूप चतुर्वेदी ने

149. अपभ्रंश महाकाव्य की परंपरा का आरंभ किस कवि ने किया ~जोइंदु ने

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

150. किस काव्य धारा में सहज योग मार्ग से जीव को महासुख की ओर उन्मुख किया ~ सिद्ध साहित्य में

151. चंदनबाला रास~ आसगु

152. पृथ्वीराज रासो में मुख्य छंद है ~कवित (68 छंदों का प्रयोग)

153. मैथिली भाषा में रचित ग्रंथ विद्यापति का है ~पदावली

154. पउमचरिउ में किसका वर्णन है ~राम का

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

155. खुसरो की पहेलियां मुकरियां की भाषा क्या है ~खड़ी बोली

156. डिंगल भाषा का अर्थ ~अपभ्रंश के योग में बनी शुद्ध राजस्थानी

[पिंगल भाषा~ बृज भाषा मिश्रित राजस्थानी)

157. कीर्ति लता की भाषा ~मिश्रित अपभ्रंश या अवहट्ठ

158. हम्मीर रासो के रचयिता~ शुक्ल जी के अनुसार शारंगधर

{सर्वमान्य} राहुल सांकृत्यायन के अनुसार जज्जल कवि

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

159. अमीर खुसरो ने हिंदी के लिए कौन सा शब्द प्रयुक्त किया~ हिंदवी

160. बालचंद बिज़्जावई भाषा। दुहनहि लग्गई दुज्जन हासा। ~ विद्यापति की पंक्तियां किस रचना की है ~कीर्तिलता।

161. पुरुष परीक्षा के लेखक ~विद्यापति

162. ढोला मारू रा दूहा में ढोला के पिता का नाम है~ राजा नल

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

163. गोरखनाथ का समय 11वीं शती है ~ मान्यता ~„डॉ पीतांबर दत्त बड़थवाल की है।

164. "नाथ पंथ सिद्धों की परंपरा से ही छंटकर निकला।" कथन है ~आचार्य शुक्ल का

165. कम्मान बान छुट्टहि अपार, लागंत लोह इस सारि धार ॥

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

घमसान धान सब वीर षेत, घन स्त्रोन बहत अस रकत रेत ।। पंक्तियां पृथ्वीराज की सेना वह समुद्र शिखर की सेना के मध्य होने वाले युद्ध का वर्णन है।

166. यह कहानी 16वीं शताब्दी के बाद की लिखी हुई है, और रासो में प्रक्षिप्त हुई है, पद्मावती समय के विषय में कथन है~ हजारी प्रसाद द्विवेदी का।

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

167. 84 सिद्धों की परंपरा किस से आरंभ हुई~ लुईपा से

168. आदिकाल के अंतिम चरण के सुप्रसिद्ध कवि ~ अमीर खुसरो

169. गोरखनाथ और उनका युग ~रांगेय राघव

170. हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय ~ पीतांबर दत्त बड़थ्वाल

171. अपभ्रंश को देशभाषा कहा ~ भरतमुनि

172. लौकिक चरित काव्य माना जाने वाला ग्रंथ ~भविसयत कहा

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

173. नाथ संप्रदाय के प्रवर्तक ~गोरखनाथ आराध्य शिव

174. सिद्धों एवं नाथों में सबसे पुराने हैं •~मछंदर नाथ

175. बीसलदेव रासो की नायिका ~ राजमती

176. आचार्य शुक्ल ने हिंदी साहित्य इतिहास लेखन में इन ग्रंथों से सामग्री ली है ~मिश्रबंधु विनोद, हिंदी कोविद रत्नमाला, कविता कौमुदी , ब्रजमाधुरी सार ।

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

177. कड़वक शैली का प्रयोग हुआ – जंबू स्वामी चरिउ, पउमचरिउ, महापुराण।

178. सांकेतिक अर्थ रखने के कारण किनकी बानियों की भाषा को संधाभाषा कहा गया ~ सिद्धों की

179. आदिकाल की वह कभी जिन की भाषा हिंदी के वर्तमान रूप के सर्वाधिक निकट है ~अमीर खुसरो

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

180. पृथ्वीराज रासो में प्रमुख रस ~ श्रृंगार रस एवं वीर रस

181. हिंदी काव्य धारा के नाम से सिद्धों की बानियों का संग्रह किया~ महापंडित राहुल सांकृत्यायन ने

182. आदिकाल के कवि सरहपा की काव्य परंपरा में विकसित नाथ पंथ के हठयोग का पल्लवन आगे चलकर किस कवि में हुआ ~ कबीर दास

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

183. "बौद्ध धर्म के सिद्धांतों में देश की बदलती हुई परिस्थितियों ने जिन नवीन भावनाओं की सृष्टि की उन्हीं के परिणाम स्वरूप सिद्ध साहित्य की रूपरेखा तैयार हुई।" कथन किसका है ~ डॉ रामकुमार वर्मा

184. भरतेश्वर बाहुबली रास किस काव्यधारा का ग्रंथ है ~ जैन साहित्य

185. शिलाँकित कृति कौन सी है ~ राउरवेल (रोड़ा कवि)

186. अलवार संतों की संख्या ~12

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

187. कयमास वध किस ग्रंथ की प्रमुख घटना है ~ पृथ्वीराज रासो

188. अपभ्रंश भाषा में लिखित रामचरित्र है ~पउमचरिउ

189. अपभ्रंश के प्रभाव से मुक्त हिंदी की रचना है ~ बीसलदेव रासो

190. रामकुमार वर्मा ने अपने इतिहास ग्रंथ हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास में हिंदी का पहला कवि माना ~ स्वयंभू को

191. नाथ साहित्य का आरंभकर्ता किसे माना जाता है ~ गोरखनाथ को

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

192. "प्रत्येक देश का साहित्य वहां की जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिंब होता है।" कथन है~ आचार्य रामचंद्र शुक्ल का

193. 'साहित्य समाज का दर्पण है।' कथन है ~ महावीर प्रसाद द्विवेदी का

194. "अंत:करण की वृत्तियों के चित्र का नाम कविता है।" कथन है ~ महावीर प्रसाद द्विवेदी का।

195. गोरी सोवे सेज पर मुख पर डारे केस पंक्ति है ~ अमीर खुसरो की

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

196. विद्यापति दरबारी कवि थे ~ कीर्ति सिंह के

197. सिद्धों तथा नाथों की सूची में उभयनिष्ठ है ~ सरहपा

198. "आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकल बहुत सस्ते हो गए हैं। उन्हें चढ़ाकर जैसे कुछ लोगों ने गीत गोविंद के पदों को आध्यात्मिक संकेत बताया है। वैसे ही विद्यापति के इन पदों को भी।" ~ कथन है~ शुक्ल जी का (जिसका आशय है- विद्यापति के पद अधिकतम श्रृंगार के हैं।)

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

199. 'पृथ्वीराज विजय' (जयानक) नामक ग्रंथ के आधार पर पृथ्वीराज रासो को अप्रामाणिक मानने वाले विद्वान हैं~ डॉ. बूलर।

200. गद्य पद्य मिश्रित चम्पू काव्य है ~ राउरवेल

201. गोरखनाथ की साधना पद्धति ~ हठयोग।

202. "मैं हिंदुस्तान की तूती हूँ।" ~ अमीर खुसरो

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

203. देसिल बअना सब जन मिट्ठा' देशी भाषा के मिठास का यह वर्णन करने वाले रचनाकार का नाम है~ विद्यापति

204. 'शाङ्र्गधर पद्धति' किस विधा की रचना है? ~ सुभाषित संग्रह

205. मैथिल कोकिल' नाम से जाने जाते हैं ~ विद्यापति

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

206. "विक्रम की सातवीं शताब्दी से ग्यारहवीं तक अपभ्रंश की प्रधानता रही और फिर वह पुरानी हिन्दी में परिणत हो गई।" यह कथन किस विद्वान का है? ~ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

207."पृथ्वीराज रासो" में कितने समय हैं? ~ 69

208. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने साहित्यिक अपभ्रंश को किस नाम से पुकारा है ~पुरानी हिंदी

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

209. विशुद्ध चरितावली' (जीवन चरित) का लेखक कौन ~ माधव प्रसाद मिश्र

210. कवि राजशेखर उपाधि है~ विद्यापति की

211. आदिकालीन सहित्य में क्या उपेक्षित रहा~ राष्ट्रप्रेम

212. पुस्तक जल्हण हत्थ दै चलि गज्जन नृपकाज' यह पंक्ति ~ चंदबरदाई से संबंधित है।

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir

213. रणमल्ल छंद' का रचयिता कौन है?~ श्रीधर

214. प्राकृताभास हिन्दी' से आशय है ~अपभ्रंश

215. नाथों की संख्या कितनी मानी गयी है? ~ 9

Comptetion Classes

Hindi By :~
Arunesh Sir